

विचार बिन्दु

पति के किये पत्नी कार्य में मंत्री के समान सलाह देने वाली, सेवा में दासी के समान काम करने वाली, माता के समान सुन्दर भोजन बनाने वाली, धर्म के अनुकूल और क्षमादी गुण धारण करने में पृथ्वी के समान स्थिर रहने वाली होती है । —संस्कृत सूक्ति

डरावने हैं मां और शिशुओं की मौत के आंकड़े

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है हम पिछले एक दशक से गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण होने वाली मौतों को बहुत कम कर चुके थे लेकिन 2०16 के बाद इसमें फिर वृद्धि होने लगी है क्योंकि सरकारों का ध्यान इस पर कम हुआ है। संगठन के मुताबिक दुनियाभर में हर साल लगभग 3 लाख महिलाएं गर्भावस्था या प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण अकाल मौत की शिकार हो जाती हैं। इसी भांति 2 मिलियन से अधिक बच्चे अपने जीवन के पहले महीने में ही मर जाते हैं। अन्य 2 मिलियन बच्चे मृत पैदा होते हैं, जिनमें से कई को समय पर चिकित्सा सहायता मिलने पर बचाया जा सकता था। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि विश्लेषण करे तो पाएंगे हर 7 सेकंड में एक रोकी जा सकने वाली मौत हो रही है। नवजात शिशु सबसे ज्यादा संसिद्धित होता है और इस दौरान बीमारी और मृत्यु का खतरा सबसे अधिक होता है। समय से पहले जन्म होने पर संक्रमण, जन्म के समय सांस की समस्या, जन्मजात बीमारियों का रिस्कर इस दौरान काफी बढ़ जाता है। महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर आंकड़ा जारी करते हुए कहा है कि आज भी हर 2 मिनट में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी से संबंधित जटिलताओं के कारण एक महिला की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा बेहद डरावना है क्योंकि आज मेडिकल साईंस ने इतनी तरक्की कर ली है कि प्रेग्नेंसी की जटिलताओं के कारण महिलाओं की मौत को आसानी से रोका जा सकता है। संगठन ने 2०23 के आंकड़ों को पेश करते हुए बताया कि गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण दुनिया में हर दिन 7०0 से ज्यादा महिलाओं की मौत होती है जो बेहद चिंता का विषय है। आंकड़े ये भी दर्शाते हैं कि आज भी दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में प्रेग्नेंसी कितनी खतरनाक है, जबकि मातृ मृत्यु के अधिकांश मामलों में जटिलताओं को रोकने और उनका उपचार करने के समाधान मौजूद हैं। इसलिए क्वालिटी मैटरल केयर तक पहुंच सुनिश्चित करने के अलावा, महिलाओं और लड़कियों के अंतर्निहित स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों को मजबूत करना भी अहम होगा। ये ऐसे कारक हैं जो प्रसव के दौरान और उसके बाद उनके हेल्थ रिजल्ट्स की संभावनाओं को मजबूत करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि निष्क्रियता कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विश्व लगातार बढ़ रही निष्क्रियता नामक महामारी का शिकार हो रहा है आरामदेह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे हृदय रोग और डायबीटीज, अब तक संपन्न देशों की बीमारियाँ मानी जाती थीं लेकिन संगठन का कहना है कि अब विकासशील देश भी अब इसके शिकार हो रहे हैं। विश्व भर में इन बीमारियों से हर वर्ष दो करोड़ लोगों की मौत होती है और इनमें से अस्सी प्रतिशत गरीब देशों से हैं संगठन का कहना है कि इस तरह की बीमारियाँ दौड़-भाग से रोकी जा सकती हैं स्वास्थ्य सिर्फ रोग या दुर्बलता की अनुपरिस्थिति ही नहीं बल्कि एक पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक खुशहाली की स्थिति है। स्वस्थ लोग रोजमर्रा की गतिविधियों से निपटने के लिए और किसी भी परिवेश के मुताबिक अपना अनुकूलन करने में सक्षम होते हैं। रोग की अनुपरिस्थिति एक वांछनीय स्थिति है लेकिन यह स्वास्थ्य को पूर्णतया परिभाषित नहीं करता है। यह स्वास्थ्य के लिए एक कसौटी नहीं है और इसे अकेले स्वास्थ्य निर्माण के लिए पर्याप्त भी नहीं माना जा सकता है। लेकिन स्वस्थ होने का वास्तविक अर्थ अपने आप पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवन जीने के स्वस्थ तरीकों को अपनाना जाना है।

जीवन में स्वास्थ्य ही अनमोल धन है। शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित कर सकते हैं। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। व्यक्ति की सबसे बड़ी दौलत उसका शरीर और उसका स्वास्थ्य होता है। जीवन में स्वास्थ्य का मूल्य समझ कर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई थी। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए।

बढ़ाई जावे, क्योंकि मातृ अवसाद और प्रसवोत्तर तनाव पर अभी भी ध्यान नहीं दिया जाता है। साथ ही प्रसव एवं डिलीवरी के दौरान कुशल स्वास्थ्य देखभाल सहायता, समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित किये जाये। यह संकल्प लेने की जरूरत है की हम पीडित मानवता को हर खतरे से बचाने के लिए समय पर स्वास्थ्य सुविधा सुलभ कर कर स्वस्थ दुनिया के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। हर ईसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और बीमार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे इलाज की सुविधा मिल सके। दुनियाभर में पोलियो, रक्ताल्पता, नेत्रहीनता, कुष्ठ, टीबी, मलेरिया और एड्स जैसी भयानक बीमारियों की रोकथाम हो सके और मरीजों को समुचित इलाज की सुविधा मिल सके और समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक बनाया जाए और उनको स्वस्थ वातावरण बना कर स्वस्थ रहना सिखाया जाए। भारत में आम तौर पर लोगों में स्वास्थ्य चेतना का अभाव है। शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति भी लोग तभी चिंतित होते हैं जब कोई रोग उन्हें ठास लेता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि निष्क्रियता कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। विश्व लगातार बढ़ रही निष्क्रियता नामक महामारी का शिकार हो रहा है आरामदेह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे हृदय रोग और डायबीटीज, अब तक संपन्न देशों की बीमारियाँ मानी जाती थीं लेकिन संगठन का कहना है कि अब विकासशील देश भी अब इसके शिकार हो रहे हैं। विश्व भर में इन बीमारियों से हर वर्ष दो करोड़ लोगों की मौत होती है और इनमें से अस्सी प्रतिशत गरीब देशों से हैं संगठन का कहना है कि इस तरह की बीमारियाँ दौड़-भाग से रोकी जा सकती हैं स्वास्थ्य सिर्फ रोग या दुर्बलता की अनुपरिस्थिति ही नहीं बल्कि एक पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक खुशहाली की स्थिति है। स्वस्थ लोग रोजमर्रा की गतिविधियों से निपटने के लिए और किसी भी परिवेश के मुताबिक अपना अनुकूलन करने में सक्षम होते हैं। रोग की अनुपरिस्थिति एक वांछनीय स्थिति है लेकिन यह स्वास्थ्य को पूर्णतया परिभाषित नहीं करता है। यह स्वास्थ्य के लिए एक कसौटी नहीं है और इसे अकेले स्वास्थ्य निर्माण के लिए पर्याप्त भी नहीं माना जा सकता है। लेकिन स्वस्थ होने का वास्तविक अर्थ अपने आप पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवन जीने के स्वस्थ तरीकों को अपनाना जाना है।

जीवन में स्वास्थ्य ही अनमोल धन है। शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित कर सकते हैं। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। व्यक्ति की सबसे बड़ी दौलत उसका शरीर और उसका स्वास्थ्य होता है। जीवन में स्वास्थ्य का मूल्य समझ कर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई थी। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए।

—अतिथि संपादक, बाल मुकुन्द ओझा, वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 19 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र दिन 10:21 तक, शिव योग रात्रि 12:52 तक, वणिज करण सायं 6:22 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 10:21 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 6:22 से आरम्भ होगी। आज सायन वृष में सूर्य रात्रि 1:26 पर प्रवेश करेगा।

आज ग्रीष्म ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:39 से 9:15 तक, चर 12:26 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:13 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मे़ष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशवासन प्राप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।	कन्या घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।	मकर आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
---	---	---

मिथुन परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।	तुला व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।	कुंभ आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
--	---	--

कर्क स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	वृश्चिक परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-सम्बन्ध बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।	मीन व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनेने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।
--	---	--

समीक्षा: कहानी संग्रह “ अहसासों की इबारत”

लेखिका की इससे पहले प्रकाशित कृति ‘अतीत के पंखों से’ काफी चर्चित रही है। सद्य प्रकाशित ‘अहसासों की इबारत’ पुस्तक के प्रकाशक हैं साहित्यगार, मुद्रक हैं शीतल प्रिंटर्स जयपुर, आवरण पृष्ठ पर पेड़ के नीचे नदी किनारे बैठी एक युवती का रंगीन चित्र है जो बहुत संजीदगी के साथ कोई पुस्तक पढ़ रही, जो पुस्तक के शीर्षक के अनुसार ही है।

पुस्तक का मूल्य रु ३०० रु, जो थोड़ा ज्यादा लग सकता है, पर पढ़ने के बाद अखरेगा नहीं। पुस्तक अमेजन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है।

शबनमी आखरों से बुनी पन्द्रह कहानियों का यह संग्रह, ‘अहसासों की इबारत’ आपके मन को गहराइयों तक भिगी देगा, आपको पता भी न चलेगा, कब आपकी आँखों से कुछ मोती झरे, और आपके मन के सारे क्लेश गीे गए। लेखिका रतना कौशिक की इन कहानियों में दर्द भी है और दवा भी। हकीकत की जमीं पर बोई गई और कल्पना से उकेरी गई ये कहानियाँ कभी हमें अपनी और कभी अपनों की सी लगती हैं।

यह कहानी संग्रह, साहित्य के महासागर की अमृतमयी बूंद है, साहित्य का अर्थ ही है ‘हित से युक्त होना’ यथा-‘हितेन सह इति सहितं, तस्य भाव साहित्यं’। साहित्य का मूल तत्त्व हित-साधन है। साहित्य की कसौटी मूलतः शिवत्व अर्थात् सामाजिक कल्याण है, आप इस संग्रह की हर कहानी में शिवत्व का यही मूल भाव सुगुंदा से गुँथा हुआ पायेंगे।

उपदेश की शुष्क जमीं से दूर, भावों की नमी से उपजे ऐसे ही सृजन के लिए तुलसीदास जी ने लिखा है:— “कीर्ति भनिति भूति भल सोई,सुरसरि सम सब कह हित होई।”

यानी कीर्ति, कविता, और सम्पत्ति वही उत्तम है जो गंगाजी की तरह सबका हित करने वाली हो।

इस संग्रह की पंद्रह कहानियों में से पहली आठ कहानिया स्त्री विमर्श पर आधारित हैं, तो अन्य सात कहानियों में से बर्फ वाली आइस्क्रीम बचपन की दोस्ती, टूट गए मोह के धागे पुत्र मोह, रिश्तों में जीवन रहने दो कोविड की विभीषिका में रिश्तों में आई विद्रुपता, अपना-अपना आईना एक लघु कथा है जिसमें समाज में बढ़ती संवेदनहीनता पर टिप्पणी की गई है। एक कतरा खुशी का दो मित्रो की कहानी है जिसमें एक मित्र अपने कंगाल हुए मित्र की शादी की 5० वीं सालगिरह धूम धाम से मनाता है। आज भी समाज में नारी को अपनी पहचान और अस्मिता बनाए रखने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ता है, समाज में उनके प्रति उदार दृष्टिकोण प्रायः छुप में ही प्रतीत होता है, संग्रह की प्रथम आठ कहानियाँ ऐसे ही संघर्षों की रोचक कथाएं हैं, जहां कभी नायिका को विजय मिलती है तो कभी हार और कभी जीत में भी हार।

कहानि ‘मेरा मायका’ समाज के हीन होते नजरिए के बारे में हैं,जैसे कीचड़ से सनी आँखों को न कुछ साफ दिखता है न ही कुछ अच्छा, वैसे ही अपना घरबार और नौकरी छोड़ मायके में अपने माँ-बाप की सेवा करती बेटी की नीयत में उसकी सगी बहनों को बस खोत दिखा, खुद उसके माँ बाप को भी कुछ ऐसा ही लगा, सकंको लगा इकलौते भाई की मृत्यु के बाद छोटी बहन ने बाप की संपत्ति पर कब्जा करने की नीयत से मायके में डेरा डाल रखा है, पर सच ये न था”।

किन्नर, हिजड़ा, हमारे समाज में गाली का पर्याय ही समझा जाता है, एक माँ जिसकी पहली संतान एक किन्नर है, पर जन्म के साथ ही बेरहम दकियानूसी

ग्राम पंचायत नेतेवालामें आम गलियोंमें जाली पट्टे जारी किये, जनसुनवाईमें पीड़ा बताई

- बुजुर्ग हेतराम ने कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय जनसुनवाई में अपनी पीड़ा बताई**
- दिसंबर 2०19 में जिला प्रभारी मंत्री को भी जनसुनवाई में पीड़ा बताई थी, लेकिन आज तक न्याय नहीं मिला**

कृषि भूमि है। मुख्बा नंबर 16,13,17 की बारी मुख्बा नंबर 16 में एकट्ठी बंधी हुई है। जल उपभोक्ता संगम के अध्यक्ष ने प्रार्थी को लोकसान पहुंचाने के लिए बारियां अलग-अलग कर क्रमशः 13,17 व 16 में अलग-अलग कर बांध दी। ताकि उसकी बारियां और समय बर्बाद हो जाए। अधीक्षण अभियंता की ओर से भी पूर्व की भांति बारी एकट्ठा करने के आदेश दिए गए, लेकिन पालना आज तक नहीं हुई। इतना ही नहीं अध्यक्ष ने अपने पिता के लिए मुख्बा नंबर 16 के किला नंबर 16-25 की डोली (बेट) पर अतिरिक्त नाका 4 अप्रैल 2025 को स्वीकृत करवा लिया है। इस संबंध में हर स्तर पर शिकायतें की गईं, लेकिन राहत आज तक नहीं मिली। लगभग ऐसी ही पीड़ा अन्य फरियादियों की थी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के बीसी रूम में हुई। इस दौरान कलेक्टर डॉ. मंजू ने कहा मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। जनसुनवाई में प्राप्त 12० प्रकरणों पर चर्चा की गई। बीसी के माध्यम से मुख्य सचिव सुंधारा पंत ने संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के बाद सतर्कता समिति की बैठक में समस्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर ज्यादा अवधि तक प्रकरण लम्बित नहीं रहें। इस अवसर पर एडीएम सतर्कता रीना, जिला परिषद सीईओ गिरधर, एसपी रामेश्वर लाल,

जेईई–मेन अप्रैल सेशन की एनटीए ने संसोधित फाइनल आंसर–की जारी की

कोटा, (निर्स)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से शुक्रवार दोपहर जेईई–मेन अप्रैल सेशन की रिवाइज्ड फाइनल आंसर–की जारी कर दी गई। इससे पूर्व गुनवार को जेईई–मेन अप्रैल सेशन की आंसर–की जारी की गई थी, जिसे करीब दो घंटे बाद ही वापस ले लिया गया था। अब पुनः जारी की गई रिवाइज्ड फाइनल आंसर–की में भी 11 सवालों के जवाबों में बदलाव किया गया है।

इसमें सबसे ज्यादा फिजिक्स में 6, मैथ्स में 3 और 2 केमेट्री के

स्कूल शिक्षक ने मासूम बच्चे की बेरहमी से पिटाई की

भीलवाड़ा, (निर्स)। जिले के जहाजपुर क्षेत्र के हनुमान नगर थाना क्षेत्र से एक घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल टीचर ने आम के पेड़ से कच्चे आम तोड़ने पर एक मासूम बच्चे की बेरहमी से पिटाई कर दी। बच्चे के परिजनों का कहना है कि मारपीट इतनी क्रूर थी कि डर के मारे बच्चे की पैर में शींच निकल गई और उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान भी आए हैं। पीड़ित बच्चे के पिता चैन सिंह मीणा ने हनुमान नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा आवासीय कॉलोनी में अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। खेल के दौरान पास ही लगे आम के पेड़ से बच्चों ने कुछ कच्चे आम तोड़ लिए, जिससे नाराज होकर पास में ही रहने वाले टीचर ने उनके बेटे को पकड़ लिया और अपने घर ले जाकर बांधकर बेरहमी से पीटा।

- आम के पेड़ से कच्चे आम तोड़ने पर स्कूल टीचर ने मासूम बच्चे को मारा**

चैन सिंह का आरोप है कि पिटाई इतनी जोरदार थी कि बच्चा डर के कारण शारीरिक संतुलन खो बैठा। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि बच्चे के शरीर पर गहरे चोट के निशान हैं। हनुमान नगर थाना अधिकारी गणेश राम ने जानकारी दी कि पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चे का मेडिकल चेकअप कराया, जिसमें मामूली चोटें पाई गई हैं। टीचर के घर पर पुलिस की एक टीम भेजी गई थी, लेकिन आरोपी टीचर मौके पर नहीं मिला। उसके परिजनों को थाने बुलाया गया है और मामले की जांच जारी है।

पोषाहार के चावल में इल्लियां मिली, प्राथमिक स्कूल का हैड मास्टर सस्पेंड

झुंझुनू, (निर्स)। जिले के नवलगढ़ उपखंड के डूमरा गांव की राजकीय प्राथमिक विद्यालय घीसा की ढाणी के हैड मास्टर पवन कुमार को डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका ने सस्पेंड कर दिया है।

जानकारी के अनुसार डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका अचानक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने जब पोषाहार चेक किया तो पोषाहार के उपयोग में आने वाले गेहूँ की मात्रा कम और चावल की मात्रा ज्यादा मिली, जिससे पोषाहार में पोषक आहार में अनियमितता सामने आई। इसके अलावा चावल में इल्लियां भी मिली। वहीं मिड–डे मील के वाउचर भी संदिग्ध मिले। इसके बाद जब ढाका ने स्कूल के स्टोर को खंगाला तो उनकी भी आंखें फटी की फटी रह गईं। वहां

- डीईओ एलीमेंट्री अचानक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे थे**

पर विद्यार्थियों को बांटी जाने वाली एवीएल किट बंद कार्टून में मिली। एक कार्टून खुला हुआ मिला तो उसमें भी किट का उपयोग किया हुआ नहीं मिला। इस मामले में जब हैडमास्टर से पूछा गया तो वो संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। हैड मास्टर की लापरवाही यही पर खतम नहीं हुई। स्कूल के बच्चों के लिए आई खेल सामग्री भी पैकेट बंद ही मिली। केश बुक में पिछले एक साल से एसएमसी अध्यक्ष के साइन नहीं मिले, जबकि हर माह होने वाली बैठक के बाद केश बुक में एसएमसी

अध्यक्ष का अनुमोदन अनिवार्य है। ढेर सारी लापरवाही मिलने पर डीईओ एलीमेंट्री मनोज कुमार ढाका ने हैड मास्टर पवन कुमार को सस्पेंड कर उसका मुख्यालय सीबीईओ खेतड़ी कर दिया। डीईओ ने बताया कि यह स्कूल कक्षा एक से पांच की है। जहां पर कक्षा पांच के बच्चे परीक्षा होने के कारण नहीं थे। वहीं एक से चार तक के बच्चे पढ़ रहे थे। उन्होंने बताया कि जो अनियमितताएं मिली हैं। उसकी रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भिजवा दी गई है। सोमवार को जांच कमेटी बनाकर पूरे मामले, अनियमितता और लापरवाही की विस्तृत जांच करवाई जाएगी। मिड–डे मील के लिए लाए गए सामान के वाउचर भी संदेह के घेरे में हैं। संबंधित फर्मों से जानकारी जुटाई जाएगी।

